लोगों को सशक्त बनाने के लिए अंतिम योजनाएं और सार्वजनिक कार्यक्रमों के वितरण को मजबूत करना

वार्षिक विवरण
2016-17

गुना जिला

सूचना सेवा

लाभार्थियों के प्रकार

मुख्य क्षेत्र	योजनाओं का नाम
वित्तीय समावेशन	प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
स्वास्थ्य	हेल्थ चेकअप, NRC रेफरल, नेत्र शिविर, जननी शिशु सुरक्षा योजना, मिशन इंद्रा धनुष टीकाकरण
आजीविका	गांव कोटवार नियुक्ति, बाड़ी योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री केश शिल्पी योजना
सामाजिक सुरक्षा	अटल पेंशन, वृद्धा पेंशन, विधवा, विकलांग पेंशन, तेंदूपत्ता बोनस, सुकन्या सम्रद्धि योजना, फसल मुआवजा
शिक्षा	कंप्यूटर शिक्षा, विकलांग छात्र के लिए छात्रवृत्ति, ICDS, सर्व शिक्षा अभियान, अन्य छात्रवृत्ति
अन्य कार्य	आंगनबाड़ी समय पर खुलना, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, बाउंड्री वाल स्कूल, सी.सी.रोड, ग्राम आवादी घोषित, हॉस्पिटल में बिजली, पीने का पान , हॉस्पिटल स्टाफ, शौचालय निर्माण ,खेत पर जाने का रास्ता ,मुरम रोड ,पशु शिविर, शमशान घाट का सीमांकन, टीनशेड शमशान घाट, स्वच्छ भारत मिशन (शौचालय निर्माण), इंद्रा आवास, अटल ज्योति योजना, हैण्डपम्प रिपेयर, नए हैंडपंप
अन्य दस्तावेज़	आधार लिंक राशन कार्ड से, नए BPL कार्ड, विकलांग प्रमाण पत्र, शौचालय के लिए आवेदन, कर्मकार मंडल कार्ड,
कृषि	सूरजधारा, बीज वितरण, कीट प्रबंधन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान पेंशन

लाभार्थियों के प्रकार

इस साल जो गतिविधि हुई हैं उनके परिणाम जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्राप्त हुए जैसे देखा जाये तो नेत्र परीक्षण शिविर, पशु टीकाकरण शिविर, हेल्थ चेकअप शिविर, बीज वितरण शिविर, कृषक प्रशिक्षण शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, शिक्षा जागरुक शिविर, प्रधानमंत्री कौशल विकास शिविर, स्वच्छ भारत मिशन शिविर आदि का सफल आयोजन हुआ परन्तु अगर योजनाओं के परिणाम की बात की जाय तो उनके परिणाम शत-प्रतिशत प्राप्त नहीं हुए | इसके पीछे कुछ कारण रहे हैं जैसे हम लाभार्थी का पंजीयन तो पहले कर लेते हैं पर जब हम उसकी पात्रता देखते हैं या उसको लाभ हेतु विभाग में भेजते हैं तो वो उस योजना हेतु वास्तविक पात्र नहीं होता इसका मुख्य कारण यह है की जब हम उससे उसकी पात्रता के लिए बात करते तो वो लाभ लेने हेतु अपनी वास्तविक स्थिति हमसे छुपा लेता है |

वहीँ दूसरी ओर सूचना सेवा गुना की टीम से 05 सूचना सेवक स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रेरक के रूप में चयनित हुए परिणाम स्वरुप कुल 219 शौचालय हमारी 25 पंचायतों में बनाये गये | इस साल कई सारी गतिविधियाँ शासकीय विभागों और अधिकारियों के साथ हुईं जिससे इस साल हमारे विभागीय संपर्क काफी मज़बूत हुए |

गतिविधियाँ जो 2016 में नहीं हो पायीं :

- पंचायत स्तरीय सूचना अधिकार अभियान शिविर |
- विकासखंड स्तर पर ब्लॉक् स्तर के सरकारी अधिकारियों के साथ कार्यशाला |
- लाभार्थियों को सूचना सेवा की मेम्बरशिप से जोड़ने का काम |

कारण - सूचना अधिकार अभियान शिविर सभी पंचायतो में नहीं हो पाए है | क्योंकि गांवों में विवाद की स्तिथि पैदा होने लगी थी सभी विकासखंड के एक-एक पंचायत में जो शिविर हुए थे उसमे देखा गया कि स्टाफ की कमी थी शिविर में व्यवस्था नहीं संभल पाती है | माह नवम्बर में हमने पंचायत स्तर पर सूचना अधिकार अभियान शिविर आयोजित करने के लिए प्लान बनाया था | पर हम उसमे से कुल 04 शिविर ही पूरे कर पाए | विभागीय सहयोग की कमी और समय अभाव के चलते हमे पूरे 25 शिविर आयोजित नहीं कर पाए |

दूसरा विकासखंड स्तर पर जो कार्यशाला होनी थी वो नहीं हो पाई | क्योंकि समय का आभाव था और व्यस्थाएं नहीं जुटा पाए |

परिणाम को देखते हुऐ सोच :

परिणाम को देखते हुऐ पाया गया की अप्रेल 2016 में सरकार की और से ग्राम उदय से भारत उदय अभियान चलाया गया था | इस के तहत सूचना सेवा टीम ने सूचना सेवा परियोजना की पंचायतो के गांवों में इस अभियान का प्रचार- प्रसार किया और ग्रामीणों के साथ बैठकें की, ग्रामीणों को सरकारी योजनाओ का लाभ उठाने के लिऐ प्रेरित किया और सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों की मदद की जिसका परिणाम यह निकल कर आया की ग्राम पचायत साकोन्या में सूचना सेवा की मदद से एक साथ 6 परिवारों के B P L राशन कार्ड बने, ग्राम नीमखेडी के 3 SC परिवार के हितग्राहियों के जमीन का बटवारा नामान्तरण हुआ जो कई सालों से परेशान थे, ग्राम अचकलपुर में 18 परिवारों को मकान के भूखण्ड के पट्टे मिले, ग्राम गारखेडा में इस अभियान के तहत 9 SC और OBC परिवारों को BPL राशन कार्ड बने |

सूचना सेवा द्वारा ग्राम कडैया, देहरिकला, रामपुर और खटकिया में सूचना अधिकार शिविर का आयोजन किया गया था | जिसमे कुल 324 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमे से 121 का समाधान कर लिया गया है | शिकायतें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, हेण्डपम्प और नल जल योजना, समग्र पोर्टल पर परिवार अलग अलग करना थी | इससे पहले सूचना सेवा टीम द्वारा एक साथ इतने लोगो लाभ नहीं दिला पाऐ थे |

आम लोगों के बीच अपनी पहचान, विश्वास और अपनापन बनाना

सूचना-सेवा टीम ने विभिन्न गांवों में नियमित बैठक, उनके समस्याओं को उचित जगह पर पहुंचाने, ग्रामीणों को सही और मुफ्त जानकारी देकर उनके बीच विश्वास बनाया है। सूचना सेवा टीम की पहचान एक गैर लाभकारी संस्था के रूप में है।

सरकार के साथ भागीदारी बनाना

शुरुआत में टीम ने सरकारी कामों की आलोचना करती थी। इससे कोई फायदा नहीं हुआ तो टीम ने अपनी नीति बदली। हमने सरकार के साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया। टीम प्रशासन के कामों में सहयोग देना शुरु किया। निरंतर विभागिय बैठक तथा कामों में सहयोग से टीम के बीच अच्छी पहचान बनी है। टीम ने कई मौकों पर सरकारी कामों में सहयोग दिया है। इसके सूचना सेवा टीम को कई सरकारी काम करने को मिले हैं। आज निचले स्तर के अधिकारी के साथ डीएम, जिला व जनपद सीइओ, एसडीएम सूचना-सेवा के कामों से अवगत हैं।

गांव को चिन्हित करके उनके समस्याओं की सूची बनाना

समस्या वाले गांवों को चुना गया । ग्रामीणों के साथ मिलकर विभिन्न गांवों की समस्याओं की सूची बनाई गई। समस्याओं को क्रमश: समुदाय, पंचायत, प्रखंड और विभाग के स्तर पर बांटकर हल निकालने का निर्णय किया गया।

स्कूल और आंगनबाड़ी का सुधार

सूचना सेवाके द्वारा चयनित कुछ गांव में पहले स्कूल 12 से 3 बजे तक चलते थे। आंगनबाड़ी नियमित नहीं लगती थी। सूचना-सेवा टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से स्कूल प्रशासन पर पर दबाव बनाया। इसके बाद कुछ स्कूलों के समय में सुधार हुआ और वो समय पर खुलने लगे हैं | साथ ही मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। अब आंगनबाड़ी की कक्षाएं भी नियमित लगती हैं।

निम्न स्कूलों में सूचना सेवा टीम के प्रयास से सुधार आया:

प्राथमिक और माध्यमिक शाला भिड़रा, प्राथमिक शाला कोटरा, प्राथमिक शाला हाथीखून्दन, प्राथमिक शाला नयागांव, प्राथमिक शाला चाँदनभेंट, प्राथमिक शाला अमरोही, माध्यमिक और प्राथमिक शाला महोदरा, माध्यमिक और प्राथमिक शाला खेरिखता, प्राथमिक शाला बिलोदा, प्राथमिक शाला चक बिरोली | आँगनबाड़ी- भिड़रा, हाथीखून्दन, अमरोही , खेरिखता, बिलोदा ,पटना ।

सूचना सेवा केन्द्रों के रेवेन्यू (मासिक आय) में सुधार

सूचना-सेवा टीम ने सभी केन्द्रों का रेवेन्यू बढ़ाने के लिए निम्न काम करना शुरु किया है। PGDCA, DCA, TYPING CERTIFICATE आदि के सम्बंधित संस्थाओं से बात की है, स्कूल के कार्य, बैंक के कार्य, पंचायत के कार्य लेना, सूचना वाहन को फिल्म आदि दिखाने के लिए किराये पर देना, गाँव और स्कूल में मनोरंजक फिल्म दिखाना, ऑनलाइन फॉर्म भरना आदि।

लाभार्थियों को केन्द्र का सदस्य बनाना

सूचना सेवा के प्रसार के लिए हम इस परियोजना द्वारा बने लाभार्थियों को केंद्र का सदस्य बनाना चाहते थे अपर इसमें हमे अभी सफलता नहीं मिल पाई है। इस योजना पर काम शुरु नहीं हो पाया है। जो आगामी साल में हमारी प्राथमिकता रहेगी |

विकासखंड/ पंचायत स्तर पर होने वाली जन सुनवाई को मजबूत बनाना

हर मंगलवार को विकासखंड/पंचायत स्तर पर होने वाली जनसुनवाई को और मजबूत करने के लिए ग्रामीणों को हमारी टीम इसके महत्व को बता रही है। इससे लोग जनसुनवाई में पहुचने लगे हैं। इसके साथ ही पंचायत स्तर के कर्मचारी भी जनसुनवाई भी नियमित रुप से नियत स्थान पर बैठते हैं।

सूचना सेवा को स्वतंत्र और विश्वनीय संस्था बनाना

अब हमारी संस्था DEF की पहचान एक विश्वसनीय संस्था के रूप में होने लगी है। शासकीय विभाग भी टीम को ग्रामीण क्षेत्र और शासकीय योजनाओं से जुड़ी अधिकतर कार्यशाला और बैठकों में बुलाते हैं और जिम्मेदारी देते हैं।

26 जनवरी 2017 को जिला सीईओ साहब श्रीमान कैलाश बानखेड़े जी ने हमारी टीम और हमारे सूचना वाहन को गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का मौका दिया । प्रभारी मंत्रीजी जयभान सिंह पवैया जी जिले के सभी पदाधिकारी, पुलिस अधिक्षक, राजनीतिक पार्टियों के

सदस्य और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ जिला के वासियों ने सूचना-सेवा के बारे में अवगत हुए।

उच्च अधिकारियों तक अपने काम की जानकारी को पहुंचाना

अब हमारे कार्य की जानकारी जिले के अधिकारियों तक पहुच रही है जैसा कि ऊपर भी लिखा गया है और सूचना सेवा टीम के सदस्यों को अधिकतर विभागीय अधिकारीयों ने अपने-अपने व्हाट्सअप ग्रुप पर जोड़ दिया है |

योजनाओं के हिसाब से संक्षेप में लिखें, लिंगानुपात को ध्यान में रख कर लिखें यानी ऐसी गतिविधि को जरुर शामिल करें जिसमे महिलाओं की भागीदारी रही हो

- **स्वच्छ भारत मिशन:** साल 2016 की यह महिलाओं की भागीदारी वाली प्रमुख गतिविधि रही है इसका एक हमारी पंचायत भिडरा का धमकन गांव है | इस गांव में एक साल पहले जहाँ कुल घर मात्र 16 ही हैं पर फिर भी एक भी शौचालय नहीं था | जबकि प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत हर घर शौचालय बनवाना था, ये गाँव सरकारी अमले की नजर से भी ओझल था मगर इस गांव में सूचना सेवा का बनाया हुआ जमना देवी स्वं सहायता समूह सक्रिय है और इस गाँव की महिलायें भी अब बहुत जागरुक हो चुकी है इसलिए हमने इस गाँव में हर घर में शौचालय बनवाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया | जिसका परिणाम यह है की आज उन जागरुक महिलाओं के कारण धमकन गाँव खुले में शौच से पूरी तरह मुक्त हो चुका है |

- **ग्राम सभा में महिला भागीदारी:** जब यह परियोजना साल 2014 में शुरु हुई तो हमारे द्वारा चयनित गांव में ग्राम सभाओं का ये हाल था की ग्राम सभा की पूरी कार्यवाही सरपंच, सचिब सहित चन्द लोग ही कागजी खाना-पूर्ति के साथ कर लेते थे मगर जब से सूचना सेवा परियोजना गुना जिले में आई है तब से यहाँ होने वाली ग्रामसभाओं का भी स्वरुप बदलने लगा है | जहाँ पहले ग्रामसभाओ में पुरुषों की उपस्थिति नगण्य होती थी और कहीं किसी गांव में एक दो महिला किसी कोने में बठी दिख जाती थीं | वहीँ आज दो साल बाद पुरुषों के साथ साथ महिलों की ग्राम सभा में सहभागिता (विशेषकर भिडरा, नेगमा, खेरीखता पंचायत) बढ़ी है | और अब वह अपनी बात रखना सीख रही हैं | कुछ महिलाओं ने अपनी तरफ से गांव के विकास के लिए प्रस्ताव भी रखे हैं | जिनमें सड़क, बिजली, पानी का मुद्दा अहम रहा है | अतः हम कह सकते है की अब महिलाओ की भागीदारी बढ़ रही है | पर यह अभी भी एक चुनौती से कम नहीं है |

- **स्वास्थ्य शिविर:** पहले यह देखा जाता था की गाँव में जो स्वास्थ्य शिविर या गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण होता थे उसमें महिलाओं की भागीदारी उतनी अधिक नहीं होती थी या कहें की वो उन शिविरो का महत्त्व नहीं समझती थी परन्तु जब से सूचना सेवा टीम ने महिलाओं को इन शिविरोंऔर टीकों का महत्त्व बताया कि ये टीके गर्भवती माँ और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को कितना जरुरी है तब से हर स्वास्थ्य शिविर में महिलाये बढ़-चढकर के भाग ले रही है | ग्राम राघौगढ़ के लक्ष्मणपुरा और गुना के भिडरा पंचायत के अंदर के गांव में में टीकाकरण के दिन सभी महिलाओ और बच्चो का टीकाकरण नहीं हो पाता था क्यों की गाँव के लोग एक जगह एकत्रित नहीं रहते है | गांव दूर दूर और टोलों में बसे हुए है इस लिये A N M बहन जी को टीकाकरण करने में बहुत परेशानी आती थी महिलायें एक जगह इकट्ठा नहीं होती थी और आंगनबाडी केंद्र पर भी महिलायें पोषण आहार लेने नहीं आती थी | सूचना सेवा टीम ने A N M और आंगनबाडी कार्यकर्त्ता की मदद की गई | उन्हें अपने साथ गांव में ले जाना शुरु किया, सूचना वाहन से भी गाँव में में लेकर गए, टीकाकरण की एक जगह तय की गयी जिससे ये काम आसान हुआ और पोषण आहार वितरण भी ठीक से हो रहा है | राघौगढ़

की साकोन्या ग्राम पंचायत के नीमखेडी गांव में महिला स्वयं सहायता समूह है जिसका 2014 में गठन हुआ था | जो जून 2015 तक चला इसके बाद मीटिंग करना और बचत करना बंद कर दिया था लेकिन 6 मई 2016 को सूचना सेवा टीम राघौगढ़ द्वारा समहू की महिलाओं के साथ मीटिंग की गई | इस मीटिंग में महिलाओं को समहू के लाभ बातए, इसके बाद समहू की सभी महिलाओ ने निर्णय लिया की अब हम हर महीने समूह कि बैठक करेंगे और बचत करेंगे | सूचना सेवा टीम ने कहा की हम आप का सहयोग करेंगे; अब हर महीने समहू की मीटिंग होती है और समूह कि बचत लगभग 20,000 रु. हो चुकी है | सूचना सेवा टीम के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में समूह गठन करवाने के लिए मिशन के अधिकारियों ने सूचना सेवा टीम का सहयोग लिया जिससे सूचना सेवा टीम विभागीय अधिकारियो से अच्छे सम्बन्ध बने |टीकाकरण की एक जगह तय की गयी जिससे ये काम आसान हुआ और पोषण आहार वितरण भी ठीक से हो रहा है |

- राघौगढ़ की साकोन्या ग्राम पंचायत के नीमखेडी गांव में महिला स्वयं सहायता समूह है जिसका 2014 में गठन हुआ था | जो जून 2015 तक चला इसके बाद मीटिंग करना और बचत करना बंद कर दिया था लेकिन 6 मई 2016 को सूचना सेवा टीम राघौगढ़ द्वारा समहू की महिलाओं के साथ मीटिंग की गई | इस मीटिंग में महिलाओं को समहू के लाभ बातए, इसके बाद समहू की सभी महिलाओ ने निर्णय लिया की अब हम हर महीने समूह कि बैठक करेंगे और बचत करेंगे | सूचना सेवा टीम ने कहा की हम आप का सहयोग करेंगे; अब हर महीने समहू की मीटिंग होती है और समूह कि बचत लगभग 20,000 रु. हो चुकी है |
- सूचना सेवा टीम के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में समूह गठन करवाने के लिए मिशन के अधिकारियों ने सूचना सेवा टीम का सहयोग लिया जिससे सूचना सेवा टीम विभागीय अधिकारियो से अच्छे सम्बन्ध बने |

गतिविधियाँ जो 2016 में नहीं हो पायीं

- **सूचना एवं अधिकार शिविर:** जैसा कि पहले गुना जिले में State Level Consultation Workshop होना तय थी मगर किन्ही कारणों से State Level Consultation Workshop नहीं हो पाई | फिर उसकी जगह हमने अपनी–अपनी सभी पंचायतो में सूचना एवं अधिकार अभियान शिविरों के आयोजन का फैसला लिया जो कुल 25 होने थे पर मात्र 04 शिविरों का आयोजन ही हो पाया उसमें से गुना ब्लॉक में एक भी शिविर नहीं हुआ |
- **चलित कंप्यूटर क्लास:** साल 2016 में हमने एक ये भी गतिविधि प्लान की थी जिसमे कि हम गाँव-गाँव में जाकर बच्चो को कंप्यूटर शिक्षा देंगे, परन्तु कुछ कारण रहे जिसके कारण हम इस गतिविधि को मूर्त रूप नहीं दे पाए |
- **सूचना सेवा मेम्बरशिप:** एक बड़ी गतिविधि जो नहीं हुई जिसमें हमारी सभी पंचायतों के लाभार्थियों को उन्हें सूचना सेवा मेम्बरशिप से जोड़ना था जिसमें उन्हें विभिन्न प्रकार कि सुविधाएँ केंद्र से मिलती और वो मात्र 5-10 रुपये/माह देकर संस्था के सदस्य बन जाते |
- **नुक्कड़ नाटक:** ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं के बारे में नुक्कड़ नाटक के द्वारा जागरूक करने की योजना थी जो मूर्त रूप नहीं ले पाई |
- **आजीविका और रोजगार** को लेकर कोई गतिविधि नहीं हो पाई क्योंकि विभागों से सहयोग नहीं मिला | बैंक में दिए गए लोन आवेदन पास होने में समय लगा |

सूचना सेवा केंद्र की 2016 की उपलब्धियाँ

- 2016 में विभागीय सबंध मजबूत हुए हैं । अब विभागीय लोग भी सूचना सेवा को जानने लगे है।
- ग्राम सभाओ में महिलाओं की भागीदारी होने लगी है। जो कि पहले नगण्य थी।
- महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। जिसका परिणाम यह हुआ कि जो उनकी हर माह की बचत होती है अब वो उस बचत का जरुरत पड़ने पर खुद उपयोग करने लगी है। पहले की तरह अब उनको दूसरों के आगे हाथ फैलाकर मांगने की जरुरत नहीं पड़ती है। अब महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर हैं।
- स्वच्छता की प्राथमिकता को देखते हुए शौचालय निमार्ण करवाए गये जिसका सभी के स्वास्थ्य पर भी अनुकूल असर देखने को मिल रहा है।
- सामुदायिक कल्याण के लिये केदारनाथ में सामुदायिक भवन निर्माण हो रहा है |जिससे वहा ग्रामीणों को बैठने की , कार्यक्रम करने के लिए जगह मिल जायगी।
- ग्राम अमरोही में आँगनबाडी भवन निर्माण।
- मध्यान भोजन में सुधार हुआ।
- स्कूल शिक्षा में सुधार आया जिससे वो अब समय अनुसार खुलने लगे है।
- उप स्वास्थ्य केंद्र उमरी में और खेरीखता में अति जरुरी वस्तुओ की पूर्ति होने लगी है ।
- क्षेत्र की जनता की सूचना सेवा पर विश्वास बढ़ा है |
- जिला प्रशासन और संस्थाओं के साथ मिल कर विभिन्न शिविरों का आयोजन करना ।
- क्षेत्र की जनता का सूचना सेवा केंद्र पर आकर योजनाओ की जानकारी लेना और फॉर्म भरवाना आदि कार्य होने लगे है।
- मध्यप्रदेश शासन के समाधान पोर्टल के माध्यम से अब डिजिटल तरीके से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान का आसान तरीका इस्तेमाल करने लगे हैं | जिसमे ऑनलाइन शिकायते दर्ज की जाती हैं। इसके साथ ही शिकायत करता को इसकी पावती भी मिलती है। इससे पहले जब कोई शिकायत करने सबंधित विभाग में जाते थे तो विभागीय अधिकारी कोई पावती शिकायतकर्ता को नहीं देते थे, इससे शिकायतकर्ता के पास कोई साक्ष्य नहीं होता था। ये मध्यप्रदेश शासन के समाधान पोर्टल के माध्यम से सम्भव हो सका है।
- सूचना अधिकार अभियान शिविर के माध्यम से एक साथ ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पंहुचा पाना सम्भव हुआ है, क्योंकि शिविर के दौरान जिन लाभार्थियों के पास आवेदन सूचना सेवा टीम के पास आते हैं हम उन आवेदनों को लेकर संम्बंधित विभागों तक पहुचाते हैं जिससे हमें बात करने के लिए हमारे पास लोगों की समस्याएं आती हैं और उसका समाधान एक निश्चित समय में होता है। यहाँ पर भी उन शिकायतों को समाधान पोर्टल के माध्यम से भी दर्ज किया गया है |
- विभागीय स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत समुदाय संचालित सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम गैल इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेंट में 13 से 17 जुलाई 2016 को प्रेरको का पञ्च दिवसीय प्रशिक्षण हुआ जिसमें सूचना सेवा टीम 05 लोग स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रेरक के रूप में चयनित हुए परिणाम स्वरुप कुल 219 शौचालय हमारी 25 पंचायतों में बनाये गये | शौचालय निर्माण करवाने के लिए गावों में विभागीय अधिकारियों के साथ गाँव की चौपालों पर गाँव –गाँव मीटिंग एवं रैली निकलने के अवसर मिले जिससे सूचना सेवा टीम की विभागों के अधिकारियो के साथ अच्छे तालमेल बने और साथ ही ग्रामीणजनों की समस्या का समाधान आसानी से सम्भव हो सका।
- चाचौड़ा से किसानो को एकत्रित करने में योगदान रहा। जिसमे 04 किसानों को कृषि क्षेत्र विस्तार योजना के आवेदन भरवाए गये । और खेती से सम्बंधित, मिट्टी परिक्षण, फसल बीमा योजना की जानकारी दी गई |

- हर ग्राम में ग्राम उदय से भारत उदय के तहत ग्राम सभा में सूचना सेवा टीम ने जाकर लोगों की समस्या पर एजेंडा तैयार करवाया गया। जिनमे हमने लोगों के राशन कार्ड, पेंशन, आवास योजना के आवेदन दिए जिनका पात्रता के अनुसार उनको लाभ मिलेगा।
- विधवा, विकलांग और वृद्ध पेंशन के लाभार्थी की संख्या ज्यादा रही जिसमें लाभार्थी बनने पर उन्होंने सूचना सेवा टीम को बधाई दी।
- एक लाभार्थी की अंकसूची बनवाई जिसमें उसको बहुत परेशानी हो रही थी।
- स्वास्थ विभाग के द्वारा दिया गया कृमि मुक्ति दिवस पर अच्छे काम के लिए आरोन टीम को प्रमाण पत्र मिला |
- सूचना सेवा टीम द्वारा आजीविका मिशन में समूह गठन की ट्रेनिंग दी गई जिसमे अन्य पंचायतों के गाँवो में भी राघौगढ़ टीम ने प्रशिक्षण दिया |

सूचना सेवा परियोजना से आपने क्या पाया :

सूचना सेवा से हमको भी बहुत फायदा हुआ है जैसे -

- ग्रामीणों के बीच हमारी अच्छी जान-पहचान हो गई |
- सूचना सेवा परियोजना से हमारी अधिकतर विभागों में अच्छी तरह से जान पहचान हो गयी और योजनाओं से अवगत हुए तथा उनका काफी सहयोग मिल रहा है |
- राजस्थान में जवाबदेही यात्रा जैसे कार्यकर्मो में शामिल होने का अवसर मिला जिससे हमें ये पता चला की कैसे जन आन्दोलन होते हैं और एकजुट होकर काम किया जाता है |
- कई प्रकार के कार्यक्रमों में शामिल होकर वहां से बहुत कुछ सीखा |
- लोगों से बातचीत का तरीका सीखने को मिला |
- सूचना सेवा परियोजना से हमने बोलना सीखा और कंप्यूटर की समस्त जानकारी मिली |

आपके सामने काम करने के दौरान आई चुनोतियाँ :

- भाषा: आदिवासी और भीलों का क्षेत्र होने के कारण हमें उनकी भाषा और उनको हमारी भाषा समझने में दिक्कत आती है |
- रिश्वतखोरी: आज भ्रष्टाचार सबसे बड़ी समस्या है और यह हर क्षेत्र में है सरपंच हो या सचिव, बैंक मैनेजर हो या जनपद, स्कूल का मध्यान भोजन सब को ही रिश्वत चाहिए | बिना पेसे के कोई काम करना ही नहीं चाहता है | कई बार ऐसी परिस्थितयां हमारे सामने आयीं जहाँ कमी बताने पर अधिकारी स्तर पर उस बात की लीपापोती की गई ताकि बदनामी न हो और कोई कार्यवाही ना हो |
- रास्ता और जंगली क्षेत्र: एक सबसे बड़ी चुनोती रास्तों को लेकर भी आई उबड़-खाबड़ रास्ते है जो बारिश में पूरी तरह हे बंद हो जाते है |
- अनपढ़ समुदाय: एक बड़ी चुनोती रहीं समुदाय का अनपढ़ होना | उनको समझाना या ये बताना की तुम्हारे कार्य कैसे होंगे, कहाँ से होंगे ये समझाने में बड़ी दिक्कत आती है |
- विभागीय सहयोग की कमी: पहले एक बड़ी चुनौती थी वो यह थी की विभागीय सहयोग की कमी थी, क्यों की पहले विभाग के लोग इतना हमें जानते नहीं थे तो हमारा सहयोग भी नहीं करते थे | इस कारण भी हमें काम करने में दिक्कत आती थी | परन्तु अब स्थिति बदल गई है |

नवाचार / नए प्रयोग :

- MP ऑनलाइन का काम शुरु किया और सभी केन्द्रों को CSC केंद्र बनाने के आवेदन किये जा चुके हैं |
- शासकीय अधिकारिओं के साथ मिल कर काम करना |
- ग्राम सभाओं में महिलाओं की भागीदारी – धमकन का जमुना देवी महिला स्वय सहायता समूह, चान्दनभेट का आकाश महिला स्वयं सहयता समूह की महिलाओं की भागीदारी एवं आशा और आँगनबाडी कार्यकताओं की सक्रियता को बढ़ाना आदि |

सूचना सेवा का जो काम है सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना या कहे की पिछड़े हुए और शोषित समुदाय को इस लायक बनाना की वो अपना हक या अधिकार ले सकें, यह कार्य अपने आप में ही बहुत मजेदार और चुनौतियों से भरा है | हम अपने कार्य को और मजेदार बनाने के लिए समय समय पर नित्य नए प्रयोग करते रहते है या कहे की किये हैं |

सूचना वाहन :- हमने अपने काम में सूचना वाहन का बखूबी प्रयोग किया है जिस तरह छोटे बच्चों को खेल –खेल में शिक्षा दी जाती है उसी राह पर चलते हुए हमने भी मजे-मजे में समुदाय को जानकारी दी | फिर वो जानकारी चाहे योजनाओं की हो, शिक्षा की हो, स्वास्थ्य की हो या रोजगार की या फिर महिला सशक्तिकरण की हो |

अब बात करते है की हमने सूचना वाहन कैसे प्रयोग किया तो वो इस प्रकार है –

शिक्षा के क्षेत्र में - आज सूचना सेवा जैसी परियोजना की आवश्यकता क्यों पड़ी सबसे बड़ा सवाल यहाँ यही है | इसका मुख्य कारण ही शिक्षा है क्यों की अगर हमारा समाज शिक्षित होता तो हमें सूचना सेवा परियोजना की आवश्यकता ही नहीं पड़ती | इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमने शिक्षा को अपने कार्य क्षेत्र में सबसे ऊपर रखा और हमने सभी स्कूलो में, गांवो में सूचना वाहन के माध्यम से ज्ञानवर्धक फ़िल्में दिखाई और शिक्षा के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला |

स्वास्थ्य के क्षेत्र में - मनुष्य के जीवन की सबसे जरुरी चीज है स्वास्थ्य , अगर आदमी पूर्णतः स्वस्थ है तो फिर उसे सब कुछ ही स्वस्थ नजर आता है और इसी बात को ध्यान में रखते हुए समय समय पर शिशु, महिला और गर्भवती के संपूर्ण टीकाकरण की जानकारी दी और ANM और स्वास्थकर्ता के साथ जाकर टीकाकरण करवाया गया | इसके अलावा ग्रामीणों को सूचना वाहन के माध्यम से फिल्में दिखा कर जागरुक किया और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो को भी इस काम में साथ लिया |

रात्रि चोपाल :- गांवो में अक्सर रात्रि में सभी महिला, बच्चे, बुजुर्गों के पास समय रहता है और वो गाँव में कही एक जगह बैठते है तो हमारी टीम भी गाँव में प्रोजेक्टर लेकर गाँव में जाती है और उनको योजनाओं आदि की फिल्मे दिखाते है और सामूहिक चर्चा करने का भी मौका मिल जाता है |

कृपया शासकीय विभागों के साथ सूचना सेवा केंद्र के जुड़ाव और बैठकों का ब्यौरा दें।

क्र.	अधिकारी का नाम	पद	विभाग	विषय
1	श्री गोपाल व्यास	सचिव	ग्राम पंचायत	राशन कार्ड बनबाने हेतु बैठक की गई।
2	श्री बी.एल.जाटव	REO	कृषि विभाग	प्रकाश प्रपंच पर चर्चा की गई
3	मंजूसा सोलेमन	जिला समन्बयक	म.प्र.जन अभियान परिषद्	पंचमहाभूत संबर्धन हेतु रैली पर चर्चा।
4	श्री प्रमोद कुमार जैन	मेनेजर	म.ग्रा.बैंक उमरी	महिला समूह का खाता खुलबाने हेतु
5	श्री अभिनाश सिंह	पुलिस अधीक्षक	पुलिस विभाग गुना	ग्रामो में अपराध रोकने हेतु बैठक।
6	श्री विष्णु पाटीदार	क्षेत्रीय विस्तार अधिकारी	उद्यानिकी विभाग	मिनीवीज किट वितरण हेतु बैठक की गई।
7	श्री राजपूत जी	जिला आधिकारी	कृषि विभाग	किसान सभा के आयोजन हेतु बैठक की गई।
8	श्रीवास्तव मेम	जिला न्यायालय गुना	विधिक सहायता न्यास	बाल अपराध रोकने हेतु बैठक की गई।
9	श्री एन.के.सेन	डी.एम.	वन विभाग	केदारनाथ में समुदायक भवन निर्माण हेतु बैठक की गई।
10	श्री दीपक श्रीवास्तव	ब्लाक समन्वयक	स्वास्थ्य विभाग	ORS जिंक परियोजना पर कार्यक्रम करने हेतु बैठक हुई।
11	श्री राजपूत जी	जिला अधिकारी	कृषि विभाग	कृषि ग्राम सभा
12	श्री आर. के. गोस्वामी	मुख्य कार्यपालन आधिकारी	जनपद पंचायत गुना	केदारनाथ में समुदायिक भवन निर्माण की अनुमति लेने हेतु चर्चा।
13	श्रीमति बसंती बाई	ग्राम सरपंच	ग्राम पंचायत	समुदायिक भवन निर्माण का प्रस्ताव बनबाया गया।
14	श्री एस.एन.जयन्त	जिला समन्वयक	नेहरू युवा केंद्र	युवा सम्मलेन योग दिवस पर कार्यक्रम हेतु बैठक की गई।
15	लायंस क्लब	-	लायंस क्लव	नेत्र शिविर लगवाने हेतु मीटिंग की गई।
16	श्री आर. के. गोस्वामी	मुख्य कार्यपालन आधिकारी	जनपद पंचायत गुना	धर्मशाला निर्माण हेतु चर्चा की गई।

क्र.	अधिकारी का नाम	पद	विभाग	विषय
17	श्री कैलाश बानखेड़े	मुख्य कार्यपालन आधिकारी	जिला पंचायत गुना	स्वच्छ भारत मिशन पर बैठक की गई।
18	श्री बी.एल.जाटव	क्षेत्रीय विस्तार अधिकारी	कृषि विभाग गुना	फसल बीमा योजना के केम्प लगाने हेतु मीटिंग की गई।
19	श्री सीईओ जनपद	मुख्य कार्यपालन आधिकारी	जनपद पंचायत गुना	स्वच्छ भारत मिशन पर बैठक की गई।
20	श्री बी. एस. चौहान	जिला परियोजना आधिकारी	जिला पंचायत गुना	स्वच्छ भारत मिशन पर बैठक की गई।
21	श्री ब्रजेश धाकड़	ग्राम सरपंच	ग्राम पंचायत	शौचालय निर्माण की राशि खातो में डलवाने हेतु बैठक की गई।
22	महेंद्र कुमार जैन	ब्रांच मेनेजर	म.ग्रा.बैंक ऊमरी	KKC कार्ड के लेन-देन हेतु जागरुकता शिविर लगाने हेतु बैठक की।
23	श्री विष्णु पाटीदार	क्षेत्रीय विस्तार अधिकारी	उद्यानिकी विभाग गुना	बागबानी प्रशिक्षण देने के लिए बैठक की गई।
24	श्री अजय यादव	ब्लाक समन्वयक	जनपद पंचायत गुना	CLTS मीटिंग की गई।
25	सैनी जी	क्षेत्रीय विकास अधिकारी	उद्यानिकी विभाग, आरोन	ग्राम देहरीकला में बीज वितरण के लिए
26	अमित राजपूत	ब्लाक समन्वयक	राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन	आरोन ऑफिस में ऑनलाइन काम की जानकारी के लिए मिले
27	आर. एस. दांगी	बी. आर. सी.	शिक्षा विभाग	उपेन्द्र बाल्मीक की डुप्लीकेट मार्क शीट के लिए मिला
28	सुनीता मिश्रा	परियोजना अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक	कृषि विज्ञान केंद्र, आरोन	कृषि रथ के कार्य के लिए जानकारी लेकर पंचायत में दी
29	विनोद रघुवंशी	प्रधानाचार्य	शासकीय हायरसेकण्ड्री स्कूल, आरोन	स्कूल के बच्चो को कंप्यूटर पर आने के लिए विजिट किया उनको बताया
30	प्रदीप शर्मा	ब्लाक समन्वयक, NRHM	स्वास्थ्य विभाग	इन्द्रधनुष टीकाकरण कैंप के लिए मिला
31	नवल सिंह मीणा	विकासखंड सी.ई. ओ.,	जनपद पंचायत आरोन	देहरिकला कैंप की परमीसन लेने के लिय मिले
32	के.के. श्रीवास्तव	ब्लाक मेडिकल ऑफिसर	स्वास्थ्य विभाग, आरोन	ग्राम में बंद समुदयिक स्वस्थ केंद्र की जानकारी दी

क्र.	अधिकारी का नाम	पद	विभाग	विषय
33	राजकुमारी जैन	सुपरवाइजर	महिला एवं बाल विकास विभाग	ग्राम में जाकर हमने आगनबाडी केंद्र बंद पाए गए उसकी जानकारी दी
34	नितिन रघुवंशी	सुपरवाइजर	IT।	बच्चो को कंप्यूटर ट्रेनिंग के लिए मिले
35	पंकज दुबे	अध्यक्ष पत्रकार	पत्रकार संघ आरोन	ग्राम हुई समस्या पर न्यूज़ में खबर के लिए मिले
36	सैनी जी	क्षेत्रीय विकास अधिकारी	उद्यानिकी विभाग	ग्राम देहरीकला में बीज वितरण के लिए
37	अमित राजपूत	ब्लाक समन्वयक	राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन	आरोन ऑफिस में ऑनलाइन काम की जानकारी के लिए मिले
38	आर. एस. दांगी	बी. आर. सी.	शिक्षा विभाग	उपेन्द्र बाल्मीक की डुप्लीकेट मार्क शीट के लिए मिला
39	सुनीता मिश्रा	परियोजना अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक	कृषि विज्ञान केंद्र, आरोन	कृषि रथ के कार्य के लिए जानकारी लेकर पंचायत में दी
40	विनोद रघुवंशी	प्रधानाचार्य	शासकीय हायरसेकण्ड्री स्कूल, आरोन	स्कूल के बच्चो को कंप्यूटर पर आने के लिए विजिट किया उनको बताया
41	प्रदीप शर्मा	ब्लाक समन्वयक, NRHM	स्वास्थ्य विभाग	इन्द्रधनुष टीकाकरण कैंप के लिए मिला
42	नवल सिंह मीणा	विकासखंड सी.ई. ओ.,	जनपद पंचायत आरोन	देहरिकला कैंप की परमीसन लेने के लिय मिले

वर्तमान में विभागों के साथ आपका तालमेल कैसा है ? साथ ही विभागों के साथ हुई बैठकों के कुछ अच्छे फोटो संलग्न करें।

सरकारी विभागों के साथ तालमेल की बात करें तो सूचना सेवा ने इस क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त की है | एक पहले का समय था की सूचना सेवा की कोई बात नहीं सुनता था और आज स्थिति यह है की अगर कोई भी मीटिंग या कोई कार्यशाला होती है तो सूचना सेवा टीम को बुलाया जाता है | गुना कलेक्टर श्री राजेश जैन और जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री कैलाश बानखेड़े जी ने सभी अधिकारियो को स्पष्ट निर्देश दे दिए है की सूचना सेवा टीम को हमारी और हमें सूचना सेवा टीम की जब भी जरुरत हो एक दूसरे की पूरी मदद की जाए | इस वर्ष विभागों के बीच सूचना सेवा की पकड़ मज़बूत हुई है जिससे आज जिला प्रशासन सूचना सेवा को छोटे और बड़े कार्यक्रमों में शामिल करता है और अधिकारियों के बीच में पहचान भी बढ रही है जिससे आगे के समय के लिए रास्ते खुल जायेंगे | इसके अलावा सूचना सेवा टीम को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रिगरिंग का लीडर भी बनाया गया था

गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

सूचना सेवा रामपुर कॉलोनी द्वारा रामपुर के शासकीय स्कूल में डिजिटल साक्षरता पर फिल्म दिखाते हुए

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अधिकारीयों के साथ बैठक में सूचना सेवक भिडरा राजाराम धाकड़

अतिरिक्त सी.ई.ओ. मंडलोई जी सूचना सेवा टीम के साथ ऊमरी गांव में

भिडरा पंचायत भवन पर स्वास्थ्य शिविर
श्री रविकांत गोस्वामी जी भेंरोघाटी गांव में

भिडरा पंचायत भवन
पर स्वास्थ्य शिविर

भिडरा पंचायत भवन पर ग्रामोदय से
भारत उदय अभियान के अंतर्गत विशेष
ग्रामसभा

रात्रिकालीन चौपाल में फिल्म दिखाते हुए सूचना सेवक

विष्णु पाटीदार – उद्यानिकी विभाग द्वारा अमरोही गांव में बीज वितरण करते हुए

भिडरा गांव में नेत्र शिविर के बाद आगे इलाज के लिए लोगों को भेजते सूचना सेवक

ऊमरी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्वास्थ्य जागरुकता पर कार्यक्रम करते हुए सूचना सेवा टीम

ग्राम बैठक में भाग लेते हुए सूचना सेवा दिल्ली मुख्यालय से आये हुए सय्यद क़ाज़ी और राम सर

गेल इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल्स गुना से आये विषय विशेषज्ञ युवाओं के लिए रोज़गार पर चर्चा करते हुए सूचना सेवा केंद्र ऊमरी

सूचना सेवा केंद्र चांचौड़ा से डिजिटल साक्षरता परीक्षा पास करने के बाद प्रमाण पात्र लेती हुई बालिकाएं

महिला दिवस पर सूचना सेवा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए सूचनासेवक नवल कुशवाह चांचौड़ा

जिला गुना सी. ई. ओ. श्री कैलाश बानखेड़े और जिलाधीश मोहदय गुना श्री राजेश जैन सूचना वाहन का अवलोकन करते हुए

लाडली लक्ष्मी योजना पर रैली कि तैयारी करते हुए सूचना सेवा आरोन

मुकेश यादव सूचना सेवा राघौगढ़ से गारखेड़ा स्कूल में डिजिटल साक्षरता के विषय में चर्चा करते हुए

मुकेश यादव सूचना सेवा राघौगढ़ से गारखेड़ा में लोक कल्याण शिविर में मदद करते हुए

सूचना सेवा केंद्र रामपुर कॉलोनी से संदीप पाटिल गांव में किसान भाइयों से चर्चा करते हुए

सूचना अधिकार अभियान शिविर के अंतर्गत रामपुर पंचायत भवन पर लोगों कि शिकायतें समाधान पोर्टल पर दर्ज करते हुए बमोरी से ब्लाक समन्वयक राजपाल केवट और साथी राजाराम धाकड़

जिला गुना सी. ई. ओ. श्री कैलाश बानखेड़े और जिलाधीश मोहदय गुना श्री राजेश जैन सूचना वाहन का अवलोकन करते हुए

प्रेस विज्ञप्ति

पर्ची हमारी खाधान ले रहा और कोई साहब

आरोन। साहब हम मजदूरी करते है। हमारे भवन एवं सनिर्माण कर्मकार मण्डल कार्ड की खाधान पर्ची है उक्त पर्ची एक साल से है और हमे पता ही नही है। हमारे गांव का ही अन्य व्यक्ति के पास हमारी पर्ची है जिसका नाम शिकायत पत्र मे दर्ज है। वही व्यक्ति एक साल से हमारा माल ले रहे है, हमे पता जब चला जब हमारे घर आधार कार्ड लेने बांटने वाले पहुंचे उक्त पीड़ा जाहिर की कल तहसील पहुंचकर तहसीलदार के समक्ष देहरी कला गांव के निवासियों ने शिकायत की है। जिस पर तहसीलदार द्वारा जाँच का आश्वासन दिया गया है।

गुना भास्कर

समग्र स्वच्छता अभियान के तहत स्कूली छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

नव भारत

गुना जिला

मामला देहरीकलां में मजदूरों के राशन हड़पने का

राशन हड़पा, तो कलेक्टर की चौखट पर पहुंचे मजदूर

अवैध भूमि को दिखाकर करा दी असली रजिस्ट्री

गुना पत्रिका . 12

जागरूकता...

खुले में शौच जाने से होती हैं 80 बीमारियां

गुना. उमरी स्कूल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्राएं।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

गुना. स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रेरक पुरुषोत्तम धाकड़ और राजाराम धाकड़ द्वारा शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय उमरी में खुले में शौच से मुक्ति दिलाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए जागरूकता लाने का प्रयास किया। इस दौरान प्रेरकों ने खुले में शौच जाने से होने वाली बीमारियों, नुकसान की जानकारी देते हुए कहा कि खुले में शौच जाने से बहू-बेटियों का मान सम्मान खतरे में रहता है और मर्यादा जो की भारतीय संस्कृति बनाई है वो भी जाती है। आगे उन्होंने बताया कि 80 बीमारियां खुले में शौच जाने से ही होती हैं। इनमें हैजा, पीलिया, उल्टी-दस्त, कुपोषण, मलेरिया आदि शामिल हैं। इनके कारण जन्म से पांच साल तक के बच्चों की मृत्यु हो जाती है। कार्यक्रम में सभी स्कूली छात्र-छात्राओं ने शपथ ली कि जिनके घर में शौचालय है, वह उनका उपयोग करेंगे और अगर खुले में जाएंगे तो मल पर मिट्टी या राख डालेंगे, जिससे उस पर मक्खी न बैठे। इस कार्यक्रम में उमरी स्कूल की प्राचार्य के साथ-साथ स्टाफ उपस्थित रहा।

मिलीभगत से ग्रामीणों का खाद्यान्न डकार रहे थे युवक

गुना। आरोन तहसील अंतर्गत ग्राम देहरीकलां के दर्जनों ग्रामीणों के हिस्से का खाद्यान्न गांव के ही दो लोग खाद्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से डकार रहे थे। मामला तब प्रकाश में आया जब गत दिवस गांव में सूचना सेवा आरोन द्वारा कैंप लगाया गया। कैंप में जब ग्रामीण योजनांतर्गत खाद्यान्न की मांग को लेकर पहुंचे तो उक्त सभी ग्रामीण संनिर्माण कर्मकार मंडल कार्ड के हितग्राही पाए गए।

जब मामला खुला तो पता चला कि गांव के ही दिनेश अहिरवार एवं भगवत सिंह अहिरवार ने उनकी खाद्यान्न पर्ची का दुरूपयोग कर खाद्यान्न लिया जा रहा है। करीब एक साल से यह गोलमाल ग्रामीणों के साथ चल रहा था। ग्रामीणों के अनुसार दोनों व्यक्तियों ने उनकी खाद्यान्न पर्ची चोरी की है। इस संबंध में जब ग्रामीण एफआईआर कराने पहुंचे तो उन्हें धमकी दी गई। गुरूवार को देहरीकलां के दर्जनों ग्रामीणों ने पुलिस थाना कार्यालय पहुंचकर संबंधित पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। मांग करने वालों में देवेन्द्र सिंह, कल्लाराम, गेंदालाल, भगवत, धीरज साहू, मुस्ताक खान, लालाराम, शांतिलाल, रामप्रसाद, भूरा, साबिर, बल्लू आदि शामिल हैं।

सूचना सेवा केन्द्र चला रहा प्रचार अभियान

आरोन। 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती के अवसर पर मप्र शासन द्वारा ग्रामों में भारत उदय के नाम से विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही है। इसकी सूचना देने को उद्देश्य से सूचना सेवा केन्द्र आरोन द्वारा गांव-गांव जाकर प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। नरेन्द्र चतुर्वेदी द्वारा अपनी टीम के साथ गांवों में लोगों को प्रेरित करने के लिए ग्रामसभा में शामिल होने संबंधी नारे लिखवाए जा रहे है। इससे ग्रामीणजन ग्रामसभा में शामिल होकर अपने अधिकारों केबारे में समझ सकें। संस्था द्वारा गुना के नेंगमा ग्राम में दीवाल लेखन कर दिया है। इसी क्रम में चांचौड़ा, राधौगढ़, बमौरी, आरोन को ग्रामों में भी जाकर प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सचिन भार्गव द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है।